

# Department of Sanskrit Govt. Degree College Nowshera

Department of Sanskrit has organized the following activities for the session 2021-22 :-

1. Online lecture on “Vedic Shodsh Sanskaaras ” on 25 Nov,2021.

**GOVERNMENT DEGREE COLLEGE  
NOWSHERA**

**DEPARTMENT OF SANSKRIT**  
is  
Organising an online lecture  
on the topic  
**"वैदिक षोडश संस्कार "**  
**Date:25-11-2021; Time: 12:00 pm**

**Patron**  
**Dr. Surinder Kumar**  
Principal

**Resource Person**  
Dr. Mamta Sharma  
Asst.Prof.(Sanskrit)  
GCW, Parade Ground  
Jammu

**Google meet link : <https://meet.google.com/qpk-ryvo-wxx>**

**Dr. Gourav Sharma**  
H.O.D Sanskrit

## 'आजादी का अमृत महोत्सव के तहत ऑनलाइन व्याख्यान आयोजित'

नौशहरा, 25 नवम्बर (स.ह.): संस्कृत विभाग जी.डी.सी. नौशहरा ने छात्रों को 16 वैदिक संस्कार से परिचित करवाने के लिए 'वैदिक शोध संस्कार' विषय पर 25 नवम्बर 2021 को आजादी का अमृत महोत्सव मनाने के लिए एक ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया।

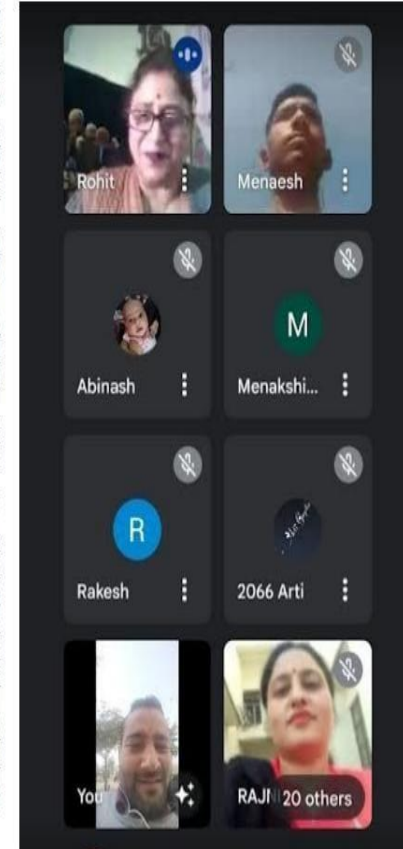
व्याख्यान का आयोजन योग्य प्राचार्य डा. सुरिंदर शर्मा के संरक्षण में किया गया था। व्याख्यान संस्कृत विभाग जी.डी.सी. डब्ल्यू. परेड जम्मू में सहायक प्रो. डा. ममता शर्मा द्वारा दिया गया था। उन्होंने अपने व्याख्यान में सभी 16 वैदिक संस्कारों और वर्तमान परिदृश्य में उनके मूल्य एवं महत्व को विस्तार से परिभाषित किया। उन्होंने गर्भधान, नामकरण, मुंडन, उपनयन, विवाह आदि जैसे सभी संस्कारों को विस्तार से बताया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में छात्रों और संकाय सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. गौरव शर्मा संस्कृत विभाग (एच.ओ.डी.)



ऑनलाइन व्याख्यान का दृश्य। (स.ह.) द्वारा किया गया। कार्यक्रम का समापन डॉ. रजनी शर्मा समाजशास्त्र विभाग द्वारा किया गया।

## संस्कृत विभाग, जीडीसी नौशहरा ने ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया

नौशहरा। संस्कृत विभाग, जीडीसी नौशहरा ने छात्रों को 16 'वैदिक संस्कार' से परिचित कराने के लिए 'वैदिक शोध संस्कार' विषय पर 25 नवंबर 2021 को आजादी का अमृत महोत्सव मनाने के लिए एक ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया, जो हमारे जीवन का मूल सार है। व्याख्यान का आयोजन योग्य प्राचार्य डॉ. सुरिंदर शर्मा के संरक्षण में किया गया था। व्याख्यान संस्कृत विभाग, जीडीसी डब्ल्यू परेड जम्मू में सहायक प्रोफेसर डॉ. ममता शर्मा द्वारा दिया गया था, उन्होंने अपने व्याख्यान में सभी 16 वैदिक संस्कारों और वर्तमान परिदृश्य में उनके मूल्य और महत्व को विस्तार से परिभाषित किया। उन्होंने गर्भधान, नामकरण, मुंडन, उपनयन, शिवाहर आदि जैसे सभी संस्कारों को विस्तार से बताया। इस आयोजन में बड़ी संख्या में छात्रों और संकाय सदस्यों ने भाग लिया। पूरे कार्यक्रम का आयोजन डॉ. गौरव शर्मा, संस्कृत विभाग (एचओडी) द्वारा किया गया था। कार्यक्रम का समापन डॉ. रजनी शर्मा समाजशास्त्र विभाग द्वारा किया गया था।



## 2. Department of Sanskrit in collaboration with Department of Sanskrit GCW Parade on the occasion of "Shrimad Bhagwad Gita Jayanti" "ONLINE Shlok Gayan Pratiyogita" 14dec.2021.



### श्लोक गायन प्रतियोगिता

on the occasion of

श्री मद्भगवतगीता जयंती



Google meet link : <https://meet.google.com/eev-rcsr-roa>

Coordinators

Dr. Mamta Sharma  
HOD Sanskrit, GCW, Parade  
Dr. Gourav Sharma  
HOD Sanskrit, GDC, Nowshera

Date-14-12-2021

Time- 11:00 am-12:30pm

## गीता जयंती की पूर्व संध्या पर श्लोक गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया

नौशहरा। जीडीसी नौशहरा ने जीसीडब्ल्यू परेड के सहयोग से गीता जयंती की पूर्व संध्या पर श्लोक गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रो. ममता शर्मा एचओडी संस्कृत, जीसीडब्ल्यू परेड द्वारा स्वागत नोट। डॉ ममता शर्मा ने दोनों प्राचार्यों, जीडीसी नौशहरा के डॉ सुरेंद्र कुमार और जीसीडब्ल्यू परेड के प्रिंसिपल डॉ एस.पी सारस्वत का स्वागत किया और दोनों कॉलेजों के शिक्षकों और छात्रों का भी स्वागत किया।

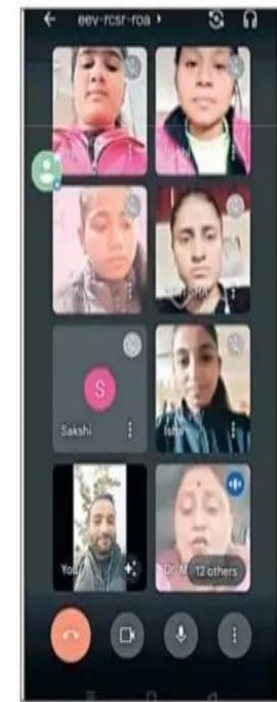
दोनों महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने श्रीमद्भागवत गीता के श्लोकों का पाठ कर भाग लिया। जूरी सदस्य जीसीडब्ल्यू परेड के हिंदी विभाग की अनुपमा शर्मा और समाजशास्त्र विभाग, जीडीसी नौशहरा की डॉ रजनी शर्मा थीं। प्रथम पुरस्कार जीडीसी नौशहरा के विशाल शर्मा और जीसीडब्ल्यू परेड की ईशा शर्मा ने जीसीडब्ल्यू की रुचि शर्मा को दूसरा पुरस्कार दिया। परेड और तीसरा पुरस्कार जीडीसी नौशहरा की अशमिणी शर्मा ने हासिल किया। सभी प्रतिभागियों को ई-सर्टिफिकेट भी दिए गए। पूरे कार्यक्रम का आयोजन दोनों महाविद्यालयों के प्राचार्यों के संरक्षण में किया गया था और कार्यक्रम का समान संस्कृत जीडीसी नौशहरा के विभागाध्यक्ष डॉ गौरव शर्मा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया। डॉ गौरव ने लोगों के पूरे जीवन में भगवद गीता के महत्व पर भी प्रकाश डाला और यह भी बताया कि कैसे भगवद गीता पूरी

दुनिया के लिए प्रेरणादायक पुस्तक बन गई है।



## गीता जयंती की पूर्व संध्या पर लोक गायन प्रतियोगिता का आयोजन


नौशहरा, 14 दिसंबर (संजय बाली) : जीडीसी नौशहरा ने जीसीडब्ल्यू परेड के सहयोग से गीता जयंती की पूर्व संध्या पर श्लोक गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रो. ममता शर्मा एचओडी संस्कृत, जीसीडब्ल्यू परेड द्वारा स्वागत नोट। डॉ. ममता शर्मा ने दोनों प्राचार्यों, जीडीसी नौशहरा के डॉ. सुरेंद्र कुमार और जीसीडब्ल्यू परेड के प्रिंसिपल डॉ. एस.पी. सारस्वत का स्वागत किया और दोनों कॉलेजों के शिक्षकों और छात्रों का भी स्वागत किया। दोनों महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने श्रीमद्भागवत गीता के श्लोकों का पाठ कर भाग लिया। जूरी सदस्य जीसीडब्ल्यू परेड के हिंदी विभाग की अनुपमा शर्मा और समाजशास्त्र विभाग, जीडीसी नौशहरा की डॉ. रजनी शर्मा थीं। प्रथम पुरस्कार जीडीसी नौशहरा के विशाल शर्मा और जीसीडब्ल्यू परेड की ईशा शर्मा ने जीसीडब्ल्यू की रुचि शर्मा को दूसरा पुरस्कार दिया। परेड और तीसरा पुरस्कार जीडीसी नौशहरा की अशमिणी शर्मा ने हासिल किया। सभी प्रतिभागियों को ई-सर्टिफिकेट भी दिए गए। पूरे कार्यक्रम का आयोजन दोनों महाविद्यालयों के प्राचार्यों के संरक्षण में किया गया था और कार्यक्रम का समान संस्कृत जीडीसी नौशहरा के विभागाध्यक्ष डॉ. गौरव शर्मा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया। डॉ. गौरव ने लोगों के पूरे जीवन में भगवद गीता के महत्व पर भी प्रकाश डाला और यह भी बताया कि कैसे भगवद गीता पूरी दुनिया के लिए





अंनताइन चर्चा करते हुए प्रतिभागी। (संजय बाली)

प्रेरणादायक पुस्तक बन गई है।


# 3. 20 Days Online workshop on “Sanskrit Sambhashan” from 04-24 dec.2021.




## गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, नौशहरा



**संस्कृत विभाग**  
तथा  
**संस्कृत भारती जम्मू व कश्मीर**  
के संयुक्त तत्वावधान से  
**20 दिवसीय (ऑनलाइन)**  
**संस्कृत संभाषण कार्यशाला**  
तिथि (04-12-21 से 24-12-21)  
समय (सायं -6:00 से 9:00)



अध्यक्ष:  
डॉ. सुरेन्द्र कुमार  
प्रिंसिपल  
जी. डी. सी, नौशहरा



मुख्य वक्ता  
श्री चंद्र कुमार शर्मा  
व्याख्याता (लेक्चरर)  
हायर सेकेंडरी स्कूल, राजौरी




समन्वयक  
डॉ. गौरव शर्मा  
संस्कृत विभागाध्यक्ष

[Click here to join the Google Meet](http://meet.google.com/hvg-secn-vcu)  
<http://meet.google.com/hvg-secn-vcu>

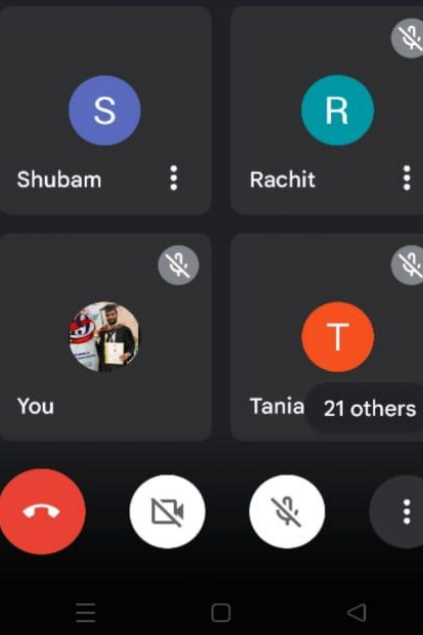
6:25

snk-ckkp-joh



सुप्रभातम् नमस्कारः  
हरि ओम् क्षम्यता  
हरि


वन्द is presenting




Shubam Rachit  
You Tania 21 others

5:47

uad-pdfs-yov

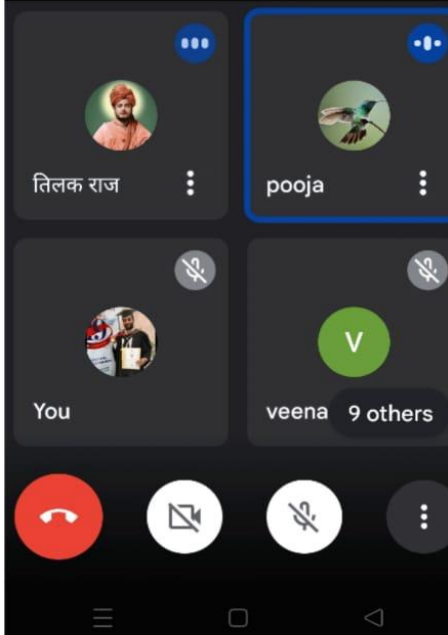


संस्कृतशास्त्री  
२ कर्मणि प्रयोगः (कर्मवाच्यम्)  
- कर्तृण्यं कर्तृध्यानम्  
- कर्म प्रथमायां विभक्तौ  
- क्तिवाच्यं कर्म-अनुसंगम्



पठ्यते  
पाठः / पठिक्त्वा / पृलकम्  
पठ्यते  
पाठः / पठिक्त्वा / पृलकम्  
पालकेन / बालिकया  
पठ्यते  
पाठः / पठिक्त्वा / पृलकम्

तिलक राज is presenting



tillak raj pooja  
You veena 9 others

## 4. Organising Online multi cultural activities in collaboration with Department of Hindi GDC Nowshera on 05 of Feb.2022.

**DEPARTMENT OF SANSKRIT**  
*Government Degree College Nowshera*  
**ORGANISING ONLINE MULTI CULTURAL ACTIVITIES**  
In collaboration with  
*Department of Hindi*  
Join us at  
**GOOGLE MEET**  
Timing 03:00pm  
Under the aegis of "Azadi Ka Amrit Mahotsav" on the topic  
**"बसन्त पंचमी - महोत्सव"**  
Chief Patron  
Dr. Surinder Kumar  
Principal GDC Nowshera  
Organiser  
Dr. Gourav Sharma  
HOD Sanskrit, GDC Nowshera  
Timing : 05 of feb 2022  
From- 03:00 pm onwards  
Meeting link:-  
<https://meet.google.com/vht-bdmh-xog>

## जीडीसी नौशेरा में 'बसंत पंचमी- महोत्सव' पर ऑनलाइन सांस्कृतिक कार्यक्रम करवाया

नौशेरा। संस्कृत विभाग और हिंदी विभाग के साथ आइक्यूएसी ने राजकीय महाविद्यालय नौशेरा में आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत बसंत पंचमी-महोत्सव पर ऑनलाइन सांस्कृतिक कार्यक्रम करवाया। इस प्रतियोगिता में बहुत सारे विद्यार्थियों ने ऑनलाइन सरस्वती वंदना, बसंत ऋतु पर कविताएं, संस्कृत गीत और बसंत ऋतु के गीत

प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष एवं तृतीय वर्ष के छात्र एवं छात्राओं ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को बसंत ऋतु का सांस्कृतिक एवं सामाजिक महत्व बताना था।

यह प्रतियोगिता कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ सुखदेव कुमार शर्मा की अनुमति और प्रोत्साहन से की गई। कार्यक्रम के अंत में संस्कृत विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ गौरव शर्मा ने बसंत ऋतु के महत्व पर विस्तृत रूप से प्रकाश डालते हुए बसंत ऋतु के आगमन पर हमारी प्रकृति और जीवन में किस तरह से परिवर्तन आता है उस विषय से बच्चों को अवगत करवाया। हिंदी विभाग के अध्यक्ष दरविंदर शर्मा ने कार्यक्रम में आए हुए सभी बच्चों एवं प्राध्यापक गणों का धन्यवाद ज्ञापन किया।

**DEPARTMENT OF SANSKRIT**  
*Government Degree College Nowshera*  
**ORGANISING ONLINE MULTI CULTURAL ACTIVITIES**  
In collaboration with  
*Department of Hindi*  
Join us at  
**GOOGLE MEET**  
Timing 03:00pm  
Under the aegis of "Azadi Ka Amrit Mahotsav" on the topic  
**"बसन्त पंचमी - महोत्सव"**  
Chief Patron  
Dr. Surinder Kumar  
Principal GDC Nowshera  
Organiser  
Dr. Gourav Sharma  
HOD Sanskrit, GDC Nowshera  
Timing : 05 of feb 2022  
From- 03:00 pm onwards  
Meeting link:-  
<https://meet.google.com/vht-bdmh-xog>

# 5. The Students of Sanskrit Department participated in the Sanskrit Bharti Jammu and Kashmir's province Conference on March 19-20, 2022.

संस्कृतभारतम्

समर्थभारतम्

संस्कृतभारती-जम्मूकाश्मीरम्

प्राप्तसम्मेलनम्

चैत्रकृष्णप्रतिपदा द्वितीया च

19-20 मार्च 2022 (शनि-रविवार)

स्थानम् – ज्ञानगङ्गा-आश्रम-शिवकाशी-सुन्दरबनी (राजौरी)

सम्पर्कसूत्रम् – 7006355475, 9419133389

नवा प्रेरणा नवोत्साहः

himsanskritnews

himsanskritnews

himsanskritnews

himsanskritvartah

himsanskritvartah

himsanskrit@gmail.com

हिमसंस्कृतवार्ताः

हिमाचलप्रदेशस्य संस्कृतशिक्षकाणां नूतनः प्रकल्पः

संस्कृतम् सर्वत्र संस्कृतम् सर्वेषाम्

हिमसंस्कृतवार्तायाः ई-समाचारपत्रम्

पृष्ठ-3 अङ्क-147

21.03.2022

वि.सं. २०७८ चैत्रमासस्य कृष्णपक्षः तृतीयातिथिः, सोमवासः मीनराशियुक्तं सूर्यो विचित्रांशः ८ चैत्र

संस्कृतभारती- जम्मूकाश्मीरस्य प्रबन्धकीय- संस्कृत- विद्यालयानां द्विदिवसीय- प्रांतीयसम्मेलनस्य शिक्षकसंघस्य प्रतिनिधयः शुभारम्भः। हिमसंस्कृतवार्ता- मनीषः, जम्मू काश्मीर।

संस्कृतभारत्याः प्रयासेन साधारणजनाः अपि संस्कृतं वक्तुं समर्थाः अभवन् - दिनेशकाप्तवर्मा।

संस्कृते शपथं गृह्णन्ति तु देवभूमौ देवभाषा उपकृता भविष्यति- डा. जनार्दनकैरवान।



संस्कृतभारती- जम्मूकाश्मीरस्य द्विदिवसीयप्रांतीयसम्मेलनस्य आयोजनं प्रारब्धः। ज्ञानगंगा- आश्रम- शिवकाशी- सुन्दरबनी- राजौरीस्थले कार्यक्रमस्य शुभारम्भः प्रास्ताध्यक्षस्य पुरुषोत्तमदेवेवर्यस्य अध्यक्षतायां दीप्रज्वालनेन अभवत्। मुख्यातिथिभिः अवसरंऽस्मिन् संस्कृतप्रदर्शनीयाः उद्घाटनमपि कृतं। प्रांतसम्मेलने श्रीविभूषित- अटलपीठाधीश्वरराजगुरु- आचार्यमहामंडलेश्वर- श्री श्री 1008 श्रीस्वामी- निश्चलानंदसरस्वतीमहाराजः उक्तवान् यत् अब्द राष्ट्रस्य प्रतिष्ठा एवं राष्ट्रस्य संस्कृतिः संस्कृतकारणेन एव विश्वे प्रसिद्धः वर्तते। भारते विविधतायां एकता, अहिंसा, आध्यात्मिकता, परोपकारः शान्तिः, दया, दानं सर्वं संस्कृतज्ञानेन संभाव्यते। अखिलभारतीयसंगठनमंत्री दिनेशकाप्तवर्माहोदयः अपि कथितवान् यत् संस्कृतभारत्याः प्रयासेन साधारणजनाः अपि संस्कृतं वक्तुं समर्थाः अभवन् विश्वे संस्कृतसंभाषणमाध्यमेन जनाः युक्ताः भवन्ति अत्र कार्यकर्तृणां सर्वाधिकं योगदानं भवति। संस्कृतं ज्ञानविज्ञानस्य संगणकस्य सर्वोत्तमा भाषा अस्ति। सर्वाणां भाषाणां जननी अस्ति अतः अस्माभिः सदैव संस्कृतेन वक्तव्यम्। मुख्यातिथिरूपेण अरुणगुप्ता, देवगुप्तः अपि सम्मेलने समागतान् सर्वान् जनान् सम्बोधितवन्तः। अवसरंऽस्मिन् प्रांतमंत्री चंद्रशर्मा, प्रांतशिक्षणप्रमुखः अरुणशर्मा, संस्कृतभारतीकार्यालयप्रमुखः अजयः कौशलशर्मा आदयः कार्यकर्तारः सहयोगं कृतवन्तः।

हिमसंस्कृतवार्ताः- कुलदीपमैन्दोला उत्तराखण्ड।

संस्कृतविद्यालयानां प्रबन्धकीय- शिक्षकसंघः निवाचितविधायकान् सम्मिल्य शुभकामनां प्रदत्तवान्। सहैव संस्कृतभाषायां शपथभियानं संचाल्य शपथपत्रस्य प्रारंभं प्रदाय संस्कृते शपथाय आग्रहं कृतवान्। संघस्य प्रदेशाध्यक्षेण डॉ. जनार्दनकैरवान-चर्येण स्मारणं कारितं यत् उत्तराखण्डस्य द्वितीया राजभाषा संस्कृतम् अस्ति। प्रदेशस्य माननीयाः विधायकाः, मुख्यमंत्री, मंत्रीगणाः च संस्कृते शपथं गृह्णन्ति तु देवभूमौ देवभाषा उपकृता भविष्यति। सर्वेषां कृते सस्त्रेणा भविष्यति। संसदि पूर्वमुख्यमन्त्री भगतसिंहकोश्यारी, भुवनचंद्रदहडूरो आदयः पूर्वमपि देशस्य प्रदेशस्य संसदगणाः विधायकगणाः एवं च मंत्रीः शपथं गृहीतवन्तः। उत्तराखण्डस्य प्रबन्धकीयसंस्कृत- शिक्षकप्रतिनिधिमंडलः ऋषिकेशस्य विधानसभायाः विधायकेन प्रमचंद्र- अग्रवालने सह, च मुमूरीतः गणेशजोशीवर्येण सह, च नरेन्द्रगुप्तस्य विधायकेन सुवीध- उनियालेने सह, च राजपुरविधायकेन खजानदासवर्येण सह, च धर्मपुरविधायकेन किनोदरमीतीवर्येण सह सम्मेलनवार्तां समाहितवान्। संस्कृतशिक्षकेषु संघस्य प्रतिनिधिमंडले महासचिवः सुभाषडोभालः, कोषाध्यक्षः विजयजुगलानः, संगठनमंत्री सुशीलनौटियालः, शान्तिप्रसादमैठाणी, संदीपभार्गवः, विनोदगैरोला, आशीषजुगलानः आदयः संस्कृत- शपथभियाने संलग्नाः आसन्।

विश्व गुरु बनाने के लिए संस्कृत जरूरी: कामत

स्वयं करने के लिए हाथों के जूँके को संस्कृत अवश्य पढ़ने चाहिए। (डॉ. सम्मेलन में संस्कृतविद्यार्थी प्रदर्शन, वस्तु प्रदर्शन एवं प्रदर्शन विविध रूप से अवसरों का केन्द्र रहे। विभिन्न विद्यालयों महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालयों से आए हुए चर्चों द्वारा संस्कृत में गुरु संस्कृतिक कार्यक्रमों ने सफल में उत्तम टिकों को प्रेरणा का दिया। सम्मेलन में संस्कृत भाषा के डॉ. अरुण गुरु के प्रतिभाओं उत्तम रहे।

20 मार्च को सम्मेलन के समापन कार्यक्रम में डॉ. विनोद गैरोला ने कहा कि जम्मू-काश्मीर के विद्यार्थी उच्च शिक्षा के लिए अन्य देशों में जा रहे हैं, जो संस्कृत भाषा के लिए एक बड़ा चुनौती है। संस्कृत भाषा को संस्कृत भाषा के लिए एक बड़ा चुनौती है।

डॉ. कामत ने कहा कि संस्कृत भाषा को संस्कृत भाषा के लिए एक बड़ा चुनौती है। संस्कृत भाषा को संस्कृत भाषा के लिए एक बड़ा चुनौती है।

डॉ. कामत ने कहा कि संस्कृत भाषा को संस्कृत भाषा के लिए एक बड़ा चुनौती है। संस्कृत भाषा को संस्कृत भाषा के लिए एक बड़ा चुनौती है।



# 6. Essay Writing Competition on 13 April , 2022.

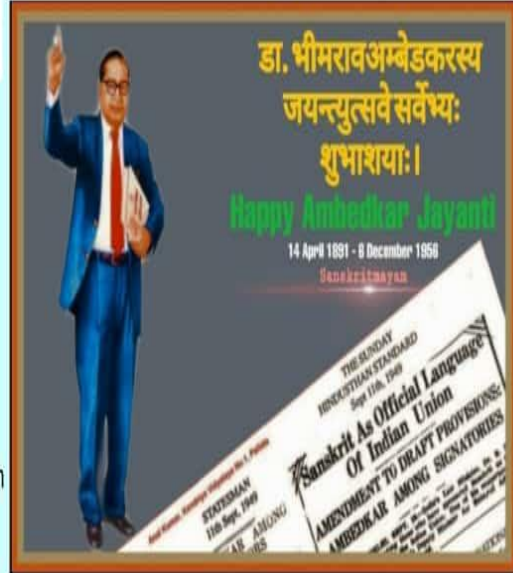
## GOVERNMENT DEGREE COLLEGE NOWSHERA

### DEPARTMENT OF SANSKRIT

#### Organising an Essay Writing Competition

Under the aegis of "Azadi Ka Amrit Mahotsav" on the topic

## "अंबेडकर का संस्कृत के प्रति प्रेम"



Chief Patron

Dr. Surinder Kumar

Principal GDC Nowshera

Venue:- smart classroom

13th of April 2022

11:30AM

Organiser

Dr. Gourav Sharma

HOD Sanskrit, GDC Nowshera



OFFICE OF THE PRINCIPAL

GOVT. DEGREE COLLEGE NOWSHERA (RAJOURI J&K)

E-mail. [gdcnowshera@gmail.com](mailto:gdcnowshera@gmail.com), Website: [www.gdcnowshera.co.in](http://www.gdcnowshera.co.in)

Tell. Phone/Fax 01960-230323, Mob. 94192-56701

No.DCN/22/1367

Dated: -13-04-2022

### प्रेस रिलीज

डॉ भीमराव अंबेडकर के जन्म दिवस के उपलक्ष्य पर गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज नौशहरा में आज संस्कृत और हिंदी विभाग निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन करवाया। जिसमें दोनों विभागों के बहुत से छात्र एवं छात्राओं ने भाग लिया। इस निबंध प्रतियोगिता में संस्कृत विभाग का शीर्षक था -"अंबेडकर का संस्कृत के प्रति प्रेम" और हिंदी विभाग का शीर्षक था "संविधान के निर्माण में अंबेडकर का योगदान" इसमें संस्कृत विभाग की तानिया शर्मा, अंजली शर्मा, पूजा शर्मा, नैसी वाल आरती भारद्वाज और शामली देवी तथा हिंदी विभाग की प्रशंसा शर्मा, चंदा देवी, सोनाली, प्रिया चौधरी, सोनिया कुमारी, राधिका कुमारी, सोनिया, सोनीका चौधरी, ताहिरा कोसर, सोनिया चौधरी, बंदना कुमारी और नेहा कुमारी छात्राओं ने भाग लिया। इस निबंध प्रतियोगिता का मूल उद्देश्य बच्चों में डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी के द्वारा किए गए महान् कार्यों पर प्रकाश डालना व उनकी जानकारी बच्चों को प्रधान करना था। यह पूरा कार्यक्रम प्रिंसिपल डॉ सुरेंद्र कुमार शर्मा की अध्यक्षता में किया गया और इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ गौरव शर्मा संस्कृत विभागाध्यक्ष और प्रोफेसर देवेन्द्र शर्मा हिंदी विभागाध्यक्ष रहे।



Sd/-  
Principal